

पाकस्तान का गैर-नाटो सहयोगी दर्ज़ा रद्द करने की मांग ।

संदर्भ

अमेरिका में प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में पाकस्तान की स्थिति को रद्द करने की मांग करने वाले एक वधियक को दो शीर्ष सांसदों द्वारा अमेरिकी प्रतनिधि सभा में पेश किया गया है ।

प्रमुख बदि

- यह वधियक रिपब्लिकन कांग्रेसी टेड पो और डेमोक्रेटिक वधिनिरिमाता रकि नोलन द्वारा पेश किया है । इसमें कहा गया है कि पाकस्तान आतंकवाद से लड़ने में असफल रहा है ।
- वर्ष 2004 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने अल-कायदा और तालबान से लड़ने में अमेरिका की मदद करने के लिये पाकस्तान को प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी दर्ज़ा दिया था ।
- रिपब्लिकन कांग्रेस सदस्य टेड पो वदिश मामलों की समिति के सदस्य हैं, और आतंकवाद, अप्रसार और व्यापार पर उपसमिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं ।
- पो का कहना है कि पाकस्तान ने कई वर्षों तक संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोगी बेनेडिक्ट आरनॉल्ड की तरह काम किया है । तालबान का समर्थन करने से लेकर ओसामा-बनि-लादेन को आश्रय देने तक, आतंकवाद के मामले में पाकस्तान ने किसी भी तरह से अमेरिका का सहयोग नहीं किया है ।
- ध्यातव्य हो कि 'बेनेडिक्ट आरनॉल्ड' अमेरिका में राजद्रोह या वशिवासघात के लिये चर्चति एक उपनाम है । बेनेडिक्ट आरनॉल्ड अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध के दौरान सेना के जनरल थे, जो मूल रूप से ब्रिटिश सेना के लिये रवाना हुए थे, परन्तु अमेरिकन कॉन्टिनेंटल आर्मी के लिये लड़े थे ।
- प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी का दर्ज़ा प्राप्त कोई देश रक्षा सामग्री, हथियार बिक्री प्रक्रिया और अमेरिकी ऋण गारंटी कार्यक्रम की प्राथमिकता वतिरण के लिये पात्र होता है । इसके अलावा वह अमेरिकी सैन्य हार्डवेयर का भंडार कर सकता है, रक्षा अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों में भाग ले सकता है और उस देश को अधिक परिष्कृत हथियार भी बेचा जा सकता है ।

नषिकर्ष

पछिले 15 वर्षों में अमेरिका ने पाकस्तान को आतंकवाद से लड़ने और उसे सुरक्षति बनाने के लिये अरबों डॉलर भेजे हैं, परन्तु पाकस्तान ने अमेरिकी उम्मीदों के मुताबकि ऐसा कुछ भी नहीं किया है । अतः इस तथ्य पर जागृत होने का समय आ गया है कि पाकस्तान जनि आतंकवादी संगठनों से लड़ने का झूठा दावा करता है, दरअसल वह उन्हीं आतंकवादी संगठनों से संबंध भी रखता है ।